ISSN: 2393-8048
International Conference of Education New Policy Relative to Computer
Venue: Sri Vinayak Mahavidhalya, Sri Vijaynagar, Rajasthan
23 May 2019

समावेशी शिक्षा के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास का अध्ययन

डॉ. नेतराम, सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग, श्री गुरु नानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, श्रीगंगानगर

शोध-सारांश

"समावेशी शिक्षा के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास का अध्ययन" विषय वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण है। समावेशी शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य सभी विद्यार्थियों को उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं, क्षमताओं एवं विविधताओं के अनुरूप समान एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसर प्रदान करना है। विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए समावेशी कक्षाएँ उन्हें सामान्य विद्यार्थियों के साथ सीखने, सामाजिक सहभागिता बढ़ाने तथा आत्मविश्वास विकसित करने का अवसर प्रदान करती हैं। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य समावेशी शिक्षा के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास का अध्ययन करना है। अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया है कि समावेशी शिक्षण वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, कक्षा सहभागिता, सीखने की रुचि, आत्मविश्वास तथा सामाजिक समायोजन को किस प्रकार प्रभावित करता है। साथ ही, शिक्षकों की भूमिका, शिक्षण-अधिगम की रणनीतियों, सहायक उपकरणों तथा विद्यालयी वातावरण का भी अध्ययन किया गया है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि उपयुक्त शैक्षिक सहायता, प्रशिक्षित शिक्षक, अनुकूल कक्षा वातावरण एवं व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण पद्धतियाँ विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास में सकारात्मक योगदान देती हैं। समावेशी शिक्षा न केवल विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति को बढ़ावा देती है, बल्कि उनमें समानता, सहयोग, आत्मनिर्भरता और सामाजिक स्वीकृति की भावना भी विकसित करती है। अतः प्रभावी समावेशी शिक्षा के लिए विद्यालय, शिक्षक, अभिभावक एवं समुदाय के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

प्रमुख शब्द: समावेशी शिक्षा, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी, शैक्षिक विकास, शैक्षिक उपलब्धि, समावेशी कक्षा, शिक्षक की भूमिका, सामाजिक समायोजन।